नामांक Roll No.

No. of Questions – 3
No. of Printed Pages – 8

SS-34-DL-T.W. (Hindi)

हिन्दी टंकण लिपि (TYPE WRITING HINDI)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2022

समय : 1 घण्टा

पूर्णांक : 40

CONFIDENTIAL

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

OFFICE COPY

(2) प्रत्येक कागज के एक तरफ टंकण करें ।

(3) प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरम्भ करना है ।

(4) प्रत्येक लाइन के बीच में द्विगुणित अवकाश (Double Spacing) देकर टंकण करना है ।

(5) प्रश्न के लिए 8 अंक सजावट के निर्धारित है ।

1. निम्नलिखित गद्यांश को द्विगुणित अवकाश देकर टंकण कीजिए ।

टंकित अंक : 16

सजावट : 04

कुल अंक : 20

अभिप्रेरणा

मनोविज्ञान में अभिप्रेरणा का अर्थ है व्यक्ति की एक ऐसी अवस्था से है जिस अवस्था के उत्पन्न होने पर वह बैचेनी का अनुभव करता है । और इस बैचेनी को दूर करने के लिए विशेष प्रकार की क्रिया करता है । व्यक्ति की यह अवस्था आन्तरिक होती है ।

अभिप्रेरणा का प्रत्यय इस बात पर प्रकाश डालता है कि व्यवहार में गति कैसे आती है । अंग्रेजी भाषा में मोटिवेशन लैटिन शब्द 'मोवेर' से बना है जिसका संदर्भ क्रियाकलाप की गति से है । हमारे प्रतिदिन के जीवन में बहुत से व्यवहारों की व्याख्या भी अभिप्रेरकों के आधार पर की जा सकती है । अभिप्रेरणा व्यवहार के निर्धारकों में से एक है । मूल प्रवृत्तियाँ, आवश्यकताएँ लक्ष्य या उत्प्रेरक अभिप्रेरणा के विस्तृत दायरे में आते हैं ।

OFFICE COPY

व्यक्ति जब किसी भी आवश्यकता या कमी का अनुभव करता है या किसी प्रकार की इच्छापूर्ति चाहता है तब वह एक खास ढंग का व्यवहार यानि प्रतिक्रिया करता है जैसे – व्यक्ति में प्यास की उत्पत्ति उसकी आन्तरिक अवस्था में परिवर्तन के कारण होती है । इस परिवर्तन के फलस्वरूप व्यक्ति बैचेनी का अनुभव करता है । इस बैचेनी को दूर करने के लिए विशेष प्रकार की क्रिया करता है । व्यक्ति की यह अवस्था आन्तरिक होती है क्योंकि इसकी उत्पत्ति किसी न किसी प्रकार की आवश्यकता या कमी या इच्छा से होती है ।

कमी या अधिकता की शारीरिक अवस्था को आवश्यकता कहा जाता है । आवश्यकता से तात्पर्य व्यक्ति में आन्तरिक या बाहरी कारणों से उत्पन्न अवस्था से है, जिसकी अनुभूति अभाव के रूप में होती है । जैसे–भोजन या पानी की आवश्यकता का अनुभव शरीर में भोजन या जल की कमी होने पर होता है । इसी प्रकार काम निन्द्रा किसी संकट से बचना ज्ञानोपार्जन आदि की आवश्यकताएँ भी किसी प्रकार के अभाव की स्थिति का प्रतीक है ।

यह अभिप्रेरणात्मक चक्र की पहली अवस्था होती है क्योंकि किसी भी प्रेरणा की उत्पत्ति में सबसे पहले आवश्यकता ही उत्पन्न होती है । प्रणोद तनाव या क्रियाशीलता की अवस्था को कहा जाता है जो किसी आवश्यकता द्वारा उत्पन्न होता है । प्रणोद वस्तुतः प्रेरणा का एक अंग है । प्रेरक में दो चीजों का समावेश होता है – बल या प्रणोदन तथा व्यवहार की लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर होने की प्रवृति है । जब किसी प्रणोदन के फलस्वरूप व्यक्ति का व्यवहार लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर होता है ।

OFFICE COPY

प्रोत्साहन अभिप्रेरणात्मक चक्र का तीसरा कदम है । लक्ष्य या प्रोत्साहन वातावरण की वह वस्तु है, जो व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित करती है तथा जिसकी प्राप्ति से व्यक्ति की आवश्यकता की पूर्ति तथा प्रणोद में कमी आ जाती है । प्यासे व्यक्ति के लिए जल एक प्रोत्साहन होता है जिसके पीने से प्यास समाप्त हो जाती है एवं क्रियाशीलता तथा तनाव की स्थिति भी कम हो जाती है । किसी वस्तु को लक्ष्य या प्रोत्साहन कहलाने के लिए यह भी आवश्यक है कि वह आवश्यकता से संबंधित है । प्रोत्साहन या लक्ष्य दो प्रकार के होते हैं – धनात्मक तथा ऋणात्मक । धनात्मक लक्ष्य वह लक्ष्य कहलाता है जिसे व्यक्ति प्राप्त करना चाहता है क्योंकि उसे प्राप्त करने से ही उसकी आवश्यकता की पूर्ति हो सकती है । भोजन, पानी, लैंगिक क्रिया आदि धनात्मक लक्ष्य के उदाहरण हैं ।

मनोवैज्ञानिक आवश्यकता के संप्रत्यय का उपयोग व्यवहार की अभिप्रेरणात्मक विशिष्टताओं का वर्णन करने के लिए करते हैं । किसी आवश्यक वस्तु का अभाव या न्यूनता ही आवश्यकता है । किसी आवश्यकता के कारण जो तनाव उत्पन्न होता है वही अन्तर्नोद है । इसके कारण यादृच्छिक क्रियाकलाप के द्वारा लक्ष्य प्राप्त हो जाता है, तो अन्तर्नोद समाप्त हो जाता है तथा प्राणी भी क्रियाशील नहीं रहता है ।

अभिप्रेरण के दो मुख्य सामान्य प्रकार होते हैं – जैविक अभिप्रेरण तथा मनोसामाजिक अभिप्रेरण । जैविक अभिप्रेरकों को शरीर क्रियात्मक अभिप्रेरक भी कहते हैं क्योंकि उनका संचालन मुख्यतः शरीर के शरीर क्रियात्मक तंत्र पर निर्भर करता है । मनोसामाजिक अभिप्रेरक प्राथमिक रूप से विभिन्न पर्यावरण कारकों के साथ व्यक्ति की अन्तःक्रिया द्वारा सीखे गए होते हैं । दोनों प्रकार के अभिप्रेरक परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं । अतः अभिप्रेरक व्यक्ति में विभिन्न मिश्रणों में उद्दीप्त होते हैं ।

OFFICE COPY

2. निम्नलिखित पत्र का द्विगुणित अवकाश देकर टंकित कीजिए :

टंकित अंक : 08
सजावट अंक : 02
कुल अंक : 10

सेवा में,

श्रीमान् महा निदेशक महोदय

दिल्ली दूरदर्शन केन्द्र

आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग

नई दिल्ली ।

विषय : - दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में ।

महोदय

मैं आपका ध्यान दिल्ली दूरदर्शन पर प्रसारित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । श्रीमानजी, दिल्ली दूरदर्शन पर दिखाए जा रहे अनेक कार्यक्रमों का स्तर घटिया एवं अनुपयोगी प्रतीत हो रहा है कार्यक्रमों को बनाते समय राष्ट्रीयता के साथ-साथ बच्चों के ज्ञानवर्धक, नैतिज, कौशलयुक्त विषयवस्तु को ध्यान में रखना चाहिए । ताकि बालकों एवं व्यक्तियों का सर्वांगीण विकास में सहयोगी बन सके ये ही आगे चलकर राष्ट्र निर्माण में सहायक की भूमिका निभा सकते हैं ।

OFFICE COPY

बच्चों की रुचि उनके मानसिक स्तर के अनुरूप कार्यक्रमों का आपके लोकप्रिय दूरदर्शन पर अभाव है । बच्चे इन्हें देखने में रुचि नहीं लेते हैं । धारावाहिकों में वही छलकपट, हिंसा, मारकाट तथा रोना धोना आदि की भरमार है सही विषयवस्तु नहीं होने के कारण घटिया मनोरंजन परोसा जा रहा है कभी-कभी तो आपसी रिश्तों में कड़वाहटपूर्ण संबंधों का प्रदर्शन प्रमुखता से किया जाता है ।

अधिकांश धारावाहिकों को देखकर लगता है कि उन्हें दिखाने का उद्देश्य मात्र लाभ कमाना है । सामाजिक व राष्ट्रीय भावनाओं के उद्देश्य तो जाने कहाँ गायब हो चुके हैं ।

विभिन्न प्रकार के मूल्यों को समय-समय पर प्रदर्शित किया जाए । दूरदर्शन पर प्रदर्शित कार्यक्रमों का युवा पीढ़ी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है अतः सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ ये धारावाहिक युवाओं के चरित्र पर अच्छा प्रभाव डाल सकते हैं । अशिष्ट विज्ञापन को प्राथमिकता कम प्रदान कर चरित्र निर्माण की विषयवस्तु पर ध्यान दिया जाना चाहिए । बच्चें विज्ञापनों की भाषा बोलते दिखाई देने लगे हैं ।

OFFICE COPY

अतः आपसे प्रार्थना है कि दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान देंगे ।

धन्यवाद ।

भवदीय

कृष्ण प्रताप

राणा प्रताप मार्ग

नई दिल्ली

3. निम्न सारणी को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

टंकित अंक : 08

सजावट : 02

कुल अंक : 10

विषयवार परीक्षा परिणामों का तुलनात्मक अध्ययन (प्रतिशत में)

क्रम संख्या	विषय	वर्ष			
		2018	2019	2020	2021
1	हिन्दी	60	62	65	64
2	अंग्रेजी	68	66	67	65
3	गणित	75	80	76	82
4	सामान्य विज्ञान	64	62	65	61
5	सामाजिक विज्ञान	62	60	55	59
6	संस्कृत	65	61	62	64
7	पर्यावरण अध्ययन	85	66	80	67
8	शा. शिक्षा	80	70	75	78

OFFICE COPY

CONFIDENTIAL

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

CONFIDENTIAL